भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 28

07 दिसम्बर, 2022 को उत्तर देने के लिए

हिमालय में तापीय ऊर्जा और भूकंप विज्ञान में अध्ययन

28. श्री इंद्रा हांग सुब्बा:

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने हिमालय और इसकी जैव विविधता से संबंधित विशेष विषयों में अनुसंधान के लिए कोई विशिष्ट अनुदान आवंटित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार हिमालय में तापीय ऊर्जा और भूकंप विज्ञान में अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए कोई अनुदान प्रदान कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हां, भारत सरकार ने हिमालय और इसकी जैव विविधता से संबंधित विषयों में अनुसंधान के लिए अनुदान आवंटित किया है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने वर्ष 2012-13 में राष्ट्रीय सतत हिमालयी पारितंत्र मिशन (एनएमएसएचई) शुरू किया है। इस मिशन के तहत, प्राकृतिक और भूवैज्ञानिक संपदा; ग्लेशियरों सहित पानी, बर्फ, हिम; सूक्ष्म वनस्पति और जीव-जन्तु एवं वन्यजीव तथा प्राणि समष्टि; हिमालयी कृषि; वन्य संसाधन और पादप विविधता; हिमालयी पारिस्थितिकी; जलवायु परिवर्तन, हिमालयी क्रायोस्फीयर और अनुकूलन के क्षेत्रों में 75 अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के लिए विभिन्न संस्थानों/संगठनों को अब तक 162 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता प्रदान की गई है।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी) ने वर्ष 2014-15 में राष्ट्रीय हिमालयी अध्ययन मिशन (एनएमएचएस) का भी प्रवर्तन किया है, जिसने जल संसाधन प्रबंधन; आजीविका विकल्प और रोजगार सृजन; जैव विविधता संरक्षण और प्रबंधन; कौशल विकास और क्षमता निर्माण; अवसंरचना विकास; भौतिक संयोजकता; और अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्रों में हिमालय और इसकी जैव विविधता विषयक परियोजना अनुदान के तहत विनिर्दिष्ट मांग-प्रेरित कार्य अनुसंधान किया है। कुल 171 हिमालयी अनुसंधान परियोजनाओं को 219 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता प्रदान की गई है।

(ख) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) ने हिमालयी भूकंप विज्ञान में विशिष्ट उद्देश्यों से संबंधित विभिन्न संस्थानों/ संगठनों को लगभग 50 करोड़ रुपये की निधि सहायता सहित कुछ अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को सहायित किया है।

*****